प्रकाशतिवाक्य 3

Published by the Comic Bible Society, LLC
Copyright © 2021

Kingstone Comics maintains copyright to this comic book as provided by United States copyright law.

Print and digital copies of this version may be freely distributed without penalty under a Creative Commons license.

"THE BIBLE EXPLAINED IN EVERY LANGUAGE."

शीर्षक: “जब वे अपने सन्देश का प्रचार करना समाप्त कर लेंगे, तब वह पशु [१] जो अथाह कुंड से निकलेगा, उनके विरूद्ध लड़ेगा...”

“वह उन्हें हरा देगा और उन्हें मार डालेगा, और उनकी लाशें उस बड़े नगर के चौक में पड़ी रहेंगी, जहाँ उनका प्रभु क्रूस पर चढ़ाया गया था।”
“साढ़े तीन दिनों तक सारी दुनिया के लोग चौक में पड़ी हुई उनकी लाशों को देखते रहेंगे।”
[१] मसीह-विरोधी के ३७ संदर्भों में से पहला। वह नरक के अथाह कुंड से आता है और उसकी शक्ति शैतानी है।

आखिरकार, ये दोनों सतानेवाले खत्म हो गए।

यह सारी घटना संचार के माध्यमों में कैद होगी ताकि सारी दुनिया देखे।
उनके साथ सही हुआ! उनसे और उनकी संकुचित-विचार वाली बातों से छुटकारा पाकर खुशी हुई।
इस काल्पनिक दिव्य प्राणी की किसे चिंता है - हम उनके अत्याचारी व्यवहारों से व्याकुल और थके हुए थे!
चलो उत्सव मनाते हैं!
“पृथ्वी के रहनेवाले उत्सव मनाते हैं और एक दूसरे को उपहार भी देते हैं...”
“... क्योंकि उन दोनों भविष्यद्वक्ताओं ने उन्हें बहुत सताया था।”
प्रकाशितवाक्य ११:७-१०

प्रकाशितवाक्य ११:११-१२

“और ठीक उसी समय एक भूकम्प आया जिससे उस बड़े शहर का दसवाँ हिस्सा ढह गया था।”[१]
[१] इन भविष्यद्वक्ताओं की सेवकाई और उनके स्वर्गारोहण को परमेश्वर ने एक बड़े भूकम्प से चिन्हित किया।

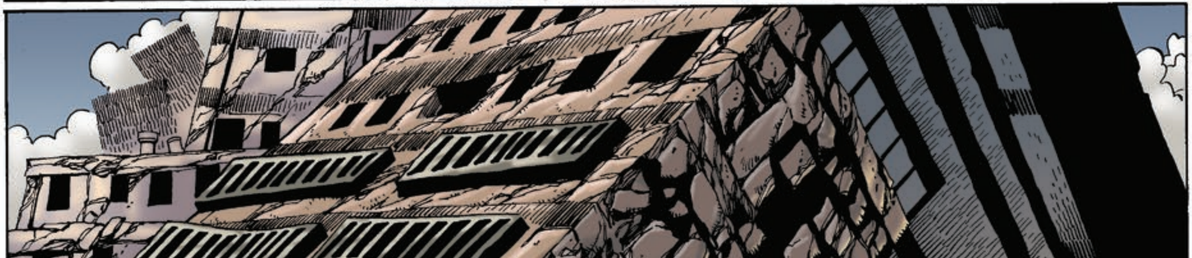
इस भयंकर घटना में परमेश्वर का हाथ होना चाहिए - इससे पहले कि कुछ और भी बुरा हो - मैं अपने पापों का पश्चाताप कर रहा हूँ और क्षमा माँग रहा हूँ!
मुझे भी यह उद्धार चाहिए! वे व्यक्ति परमेश्वर की ओर से थे - बाइबल सच होनी चाहिए।
“दूसरी विपत्ति बीत चुकी है, तीसरी विपत्ति जल्द ही आ रही है।”
प्रकाशितवाक्य ११:१३-१४

“जब सातवें स्वर्गदूत ने तुरही फूँकी, तब स्वर्ग में बड़े शब्द होने लगे जिनमें कहा गया, कि जगत का राज्य हमारे प्रभु और उसके मसीह का हो गया है, और वह युगानुयुग राज्य करेगा।”
“तब स्वर्ग में परमेश्वर का मन्दिर खोला गया और उसके मन्दिर के अन्दर उसकी वाचा का सन्दक दिखाई दिया।”
“और बिजली चमकने लगी, गर्जन की गड़गड़ाहट, भूकंप और एक महान ओलावृष्टि हुई।”

हम सर्वशक्तिमान परमेश्वर प्रभु का धन्यवाद करते हैं, जो है और जो था, क्योंकि तूने अपनी बड़ी सामर्थ्य ले ली है और राज्य करना शुरू कर दिया है।
अन्यजातियों ने क्रोध किया है...
...परन्तु तेरा क्रोध आ पड़ा है।
मरे हुओं का न्याय करने का समय आ गया है...
....और तेरे दास भविष्यद्वक्ताओं को प्रतिफल दिया जाए....
....और तेरे पवित्र लोगों और छोटे और बड़े दोनों को, जो तेरे नाम का सम्मान करते हैं बदला दिया जाए....
... और पृथ्वी को बिंगाड़ने वालों को नाश किया जाए।
प्रकाशितवाक्य ११:१५-१९

और स्वर्ग में एक बड़ा चिन्ह दिखाई दिया: एक स्त्री जो सूर्य ओढ़े हुए थी, और उसके पाँव तले चन्द्रमा था, और उसके सिर पर बारह तारों का मुकुट था।[१]
वह गर्भवती थी और प्रसव पीड़ा और जन्म देने की पीड़ा में रो रही थी।
यह प्रकाशितवाक्य के अंतिम भाग में सात संकेतों में से पहला है।
स्त्री पवित्रशास्त्र में इस्राएल का एक सांकेतिक प्रतिरूप है।
सूर्य इस्राएल की शोभा और उच्च पद है।
बारह तारे इस्राएल के बारह गोत्रों का प्रतिरूप हैं।
प्रकाशितवाक्य १२:१-२

[१] शैतान के प्रारंभिक विद्रोह में, एक तिहाई स्वर्गदूत उसके साथ शामिल हो गए थे। (यशायाह १४:१२, यहेजकेल २८:१)

[२] कुँवारी स्त्री द्वारा मसीह के जन्म को रोकने में असफल होने के कारण, शैतान ने उसे बेतलहम में हेरोदेस द्वारा नर बच्चों के नरसंहार में मारने की कोशिश की।

[३] यीशु मसीहाई वंश में यहूदी वंश का था और दुनिया के सभी राष्ट्रों पर शक्तिशाली राजा है।

[४] मसीह का स्वर्गारोहण (प्रेरितों १:९, २:३३)।

[५] परमेश्वर उस स्त्री (इस्राएल) की सुरक्षा करने के लिए जंगल में ले जाकर उसकी रक्षा करता है, संभवतःमोआब, अम्मोन और एदोम के क्षेत्रों में, क्योंकि ये क्षेत्र पवित्र भूमि के खिलाफ मसीह-विरोधी के हमले के लिए बचाए गए हैं। (दानिय्येल११:४१)

७इसके बाद स्वर्ग में युद्ध छिड़ गया, मीकाईल और उसके दूत उस अजगर से लड़े। और अजगर और उसके दूत पलटकर उनसे लड़े८
[१] शैतान और उसके दूतों को उसके प्रारंभिक विद्रोह के समय स्वर्ग से बाहर निकाल दिया गया था, लेकिन अभी भी वे वहाँ पहुँच सकते हैं (अय्यूब १:६, २:१)। अब उनका स्वर्ग में जाना हमेशा के लिए वर्जित हैं।
[२] उकाब के पंख परमेश्वर की सुरक्षात्मक सामर्थ्य है।
हालाँकि एक बड़ी सेना बाढ़ की तरह इस्राएल के विरुद्ध उठेगी। (यिर्मयाह ४६:८, ४१:२) इसे निगल लिया जाएगा - इस समय आने वाले भूकंपों में से एक में बहुत संभावना है।

“... लेकिन वह हार गया और उन्होंने स्वर्ग में अपना स्थान खो दिया।” [१]
“वह बड़ा अजगर, जो सारे संसार को गुमराह करता था, और उसके दूत उसके साथ पृथ्वी पर फेंक दिए गए।”
“परन्तु स्त्री को बड़े उकाब के दो पंख दिए गए थे [२] ताकि वह साँप के पास से उड़कर जंगल में उस स्थान पर चली जाए जहाँ साढ़े तीन वर्ष तक उसकी देखभाल की जानी थी।”
“तब वह अजगर उस स्त्री पर क्रोधित हुआ, और उसके वंश से [३] युद्ध करने को चला गया, जो परमेश्वर की आज्ञाओं को मानते और यीशु की गवाही पर स्थिर बने रहते हैं।”
प्रकाशितवाक्य १२:१-१७

अजगर समुद्र के किनारे पर खड़ा था [१] और तभी मैंने एक पशु को समुद्र में से निकलते देखा। [२]
ऐसा लग रहा था कि उस पशु के सिरों में से एक सिर पर बहुत गहरा घाव था, लेकिन उसका घाव ठीक हो गया था। [७]
उसने परमेश्वर और उसके नाम, उसके निवास स्थान और स्वर्ग के सब रहनेवालों की निन्दा की।
[१] समुद्र की रेत से पता चलता है कि दुनिया के सभी राष्ट्रों के बीच में मसीह-विरोधी अपना स्थान लेगा।
[२] समुद्र उस अथाह कुंड का प्रतिरूप है, जहाँ से दुष्टात्माएँ निकलती हैं। शैतान एक शक्तिशाली दुष्टात्मा को बुला रहा है जो उस पशु में रहती है और उसे नियंत्रित करती है।
[७] संभवतः एक नकली मृत्यु और पुनरुत्थान है जिसे मसीह विरोधी ने अपने महान धोखे के एक भाग के रूप में अधिनियमित किया था।
[८] उस समय उसे उन लोगों का मार-काट और हत्या करने की अनुमति दी जाएगी जो परमेश्वर की आज्ञा मानते हैं और उससे प्रेम करते हैं।

७उसे पवित्र लोगों पर विजय प्राप्त करने की शक्ति दी गई और उसे सभी राष्ट्रों पर अधिकार दिया गया।८[8]
जिनके नाम मेम्ने के जीवन की पुस्तक में नहीं लिखे गए हैं, पृथ्वी के रहनेवाले वे सभी लोग उस पशु की उपासना करेंगे।
प्रकाशितवाक्य १३:१-१०

फिर एक और पशु पृथ्वी में से निकला।
मेम्ने की तरह उसके दो सींग थे, परन्तु वह अजगर की तरह बोलता था।[1]
उसने पहले वाले पशु के सम्पूर्ण अधिकार का इस्तेमाल किया, और पृथ्वी के सब लोगों से उस पहले पशु की उपासना कराई, जिसका प्राणघातक घाव ठीक हो गया था।
वह बड़े-बड़े चिन्ह दिखाता था।[2]
वह पृथ्वी के रहनेवाले सभी लोगों को भरमाता था, और उन्हें आदेश देता था कि वे पहले पशु के सम्मान में एक मूर्ति स्थापित करें जो तलवार से घायल हो गया था और वह अब जी गया है।
[१] मसीह-विरोधी मुख्य रूप से एक सैन्य या राजनीतिक नेता होगा, लेकिन झूठा भविष्यद्वक्ता एक धार्मिक अगुवा होगा जो शैतानी शक्ति का भी प्रयोग करेगा।
[२] महान चिन्ह - यीशु के चमत्कारों का वर्णन करने के लिए उसी प्रकार के शब्दों का प्रयोग किया जाएगा। झूठा भविष्यद्वक्ता ऐसे चिन्ह दिखाएगा जो मसीह के नकली चिन्ह हैं।
[७] यरूशलेम के मन्दिर में मसीह विरोधी की किसी प्रकार की आकृति रखी जाएगी - वह घृणित वस्तु जो उजाड़ करा देती है। (मत्ती २४:१५-१६)
[8] संख्याएँ परमेश्वर की सम्पूर्णता को बयां करती हैं और वे विचारों का वर्णन करती हैं। सात पूर्णता की संख्या है और छह मनुष्य की संख्या है - पूर्णता से कम को दर्शाती है। अंततः जब मसीह-विरोधी का खुलासा हो जाएगा तो इस संख्या के साथ उसकी पहचान करने का तरीका होगा।

उसे पहले पशु की मूर्ति में श्वास डालने की शक्ति दी गई, ताकि वह बोल सके और उन सब को मार डाले, जिन्होंने उस मूर्ति की उपासना करने से मना कर दिया था।[३]
उसने हर किसी को अपने माथे या अपने हाथ पर एक मुहर लगवाने के लिए मजबूर किया ताकि कोई भी खरीद या बेच न सके जब तक कि उसके पास वह मुहर न हो, जो उस पशु का नाम या उसके नाम की संख्या है।
पशु की संख्या मनुष्य की संख्या है - यह ६६६ है।[४]
प्रकाशितवाक्य १३:११-१८

तब मैंने मेम्ने को सिय्योन पर्वत पर देखा। और उसके साथ वह १,४४,००० लोग थे जिनके माथे पर उसका और उसके पिता का नाम लिखा हुआ था।[१]
[१] शैतान हमें एक संख्या देता है - लेकिन परमेश्वर हमें एक नाम देता है। मसीह-विरोधी के अनुयायियों के माथे पर उसकी संख्या लिखी होगी, लेकिन मसीह के अनुयायियों के माथे पर उसका नाम लिखा हुआ होगा।
[२] छुटकारे का गीत गाया गया, परमेश्वर के सम्पूर्ण छुटकारे के काम के लिये आनन्द मनाया जा रहा था।
[३] वे पृथ्वी पर बड़ी कठिनाइयों के बीच में भी व्यभिचार से शुद्ध रहे।
[४] वे परमेश्वर की सच्चाई को सही और सटीक रूप से बोलते हैं।

“और मैं ने स्वर्ग से एक शब्द सुना, जो बहुत जल की गर्जन, और गड़गड़ाहट के बड़े शब्द का सा था।”
“जो शब्द मैं ने सुना, वह ऐसा था, मानो वीणा बजानेवाले वीणा बजा रहे हों, और वे सिंहासन के सामने, और चारों प्राणियों के सामने, और प्राचीनों के सामने नया गीत गा रहे हों।”[२]
“उन १,४४,००० को छोड़कर कोई भी उस गीत को नहीं सीख सकता था।”
“उन्होंने स्त्रियों के साथ स्वयं को अशुद्ध नहीं किया, क्योंकि उन्होंने अपने आप को पवित्र रखा, और जहाँ कहीं मेम्ना जाता है, वे उसके पीछे पीछे हो लेते हैं।”[३]
“ये लोग परमेश्वर और मेम्ने के लिए पहले फल के रूप में मनुष्यों में से छुड़ाए गए हैं, और उनके मुँह से कोई झूठ नहीं निकला था, इसके बदले में वे निर्दोष हैं।”[४]
प्रकाशितवाक्य १४:१-५

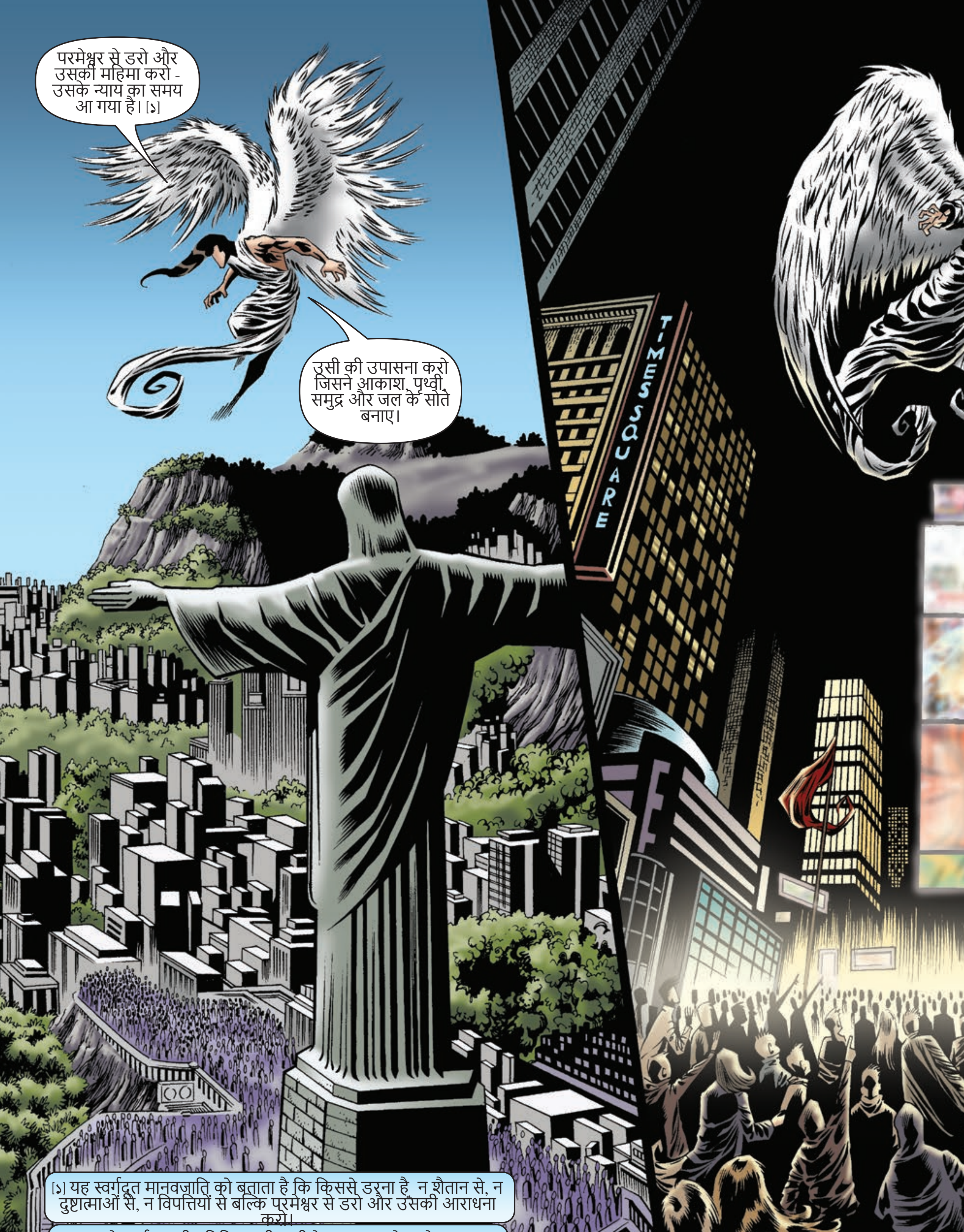

[१] यह स्वर्गदूत मानवजाति को बताता है कि किससे डरना है न शैतान से, न दुष्टात्माओं से, न विपत्तियों से बल्कि परमेश्वर से डरो और उसकी आराधना करो।

[२] पहले स्वर्गदूत की प्रतिक्रिया की कमी के कारण परमेश्वर ने पश्चाताप के अपने संदेश के साथ एक दूसरे शक्तिशाली स्वर्गदूत को भेजा है।

[७] बेबीलोन का मूल शहर मूर्तिपूजा का मुख्यस्थान था।

इसके बाद परमेश्वर मसीह विरोधी के पूरे विश्वव्यापी राजनीतिक, आर्थिक और धार्मिक राज्य का न्याय करता है जो परमेश्वर के विरुद्ध विद्रोह का एक तांडव बन गया था।

[8] तीसरा स्वर्गदूत परमेश्वर के न्याय की अंतिम स्थिति और निश्चितता की घोषणा करता है।

परमेश्वर का क्रोध एक आवेगपूर्ण विस्फोट की तरह नहीं है, बल्कि एक धर्मी परमेश्वर की दृढ़ और निर्दयी प्रतिक्रिया जो उन लोगों के प्रति है जो मसीह में विश्वास के उसके अनुग्रहपूर्ण प्रस्ताव का उत्तर देने से इन्कार करते हैं।

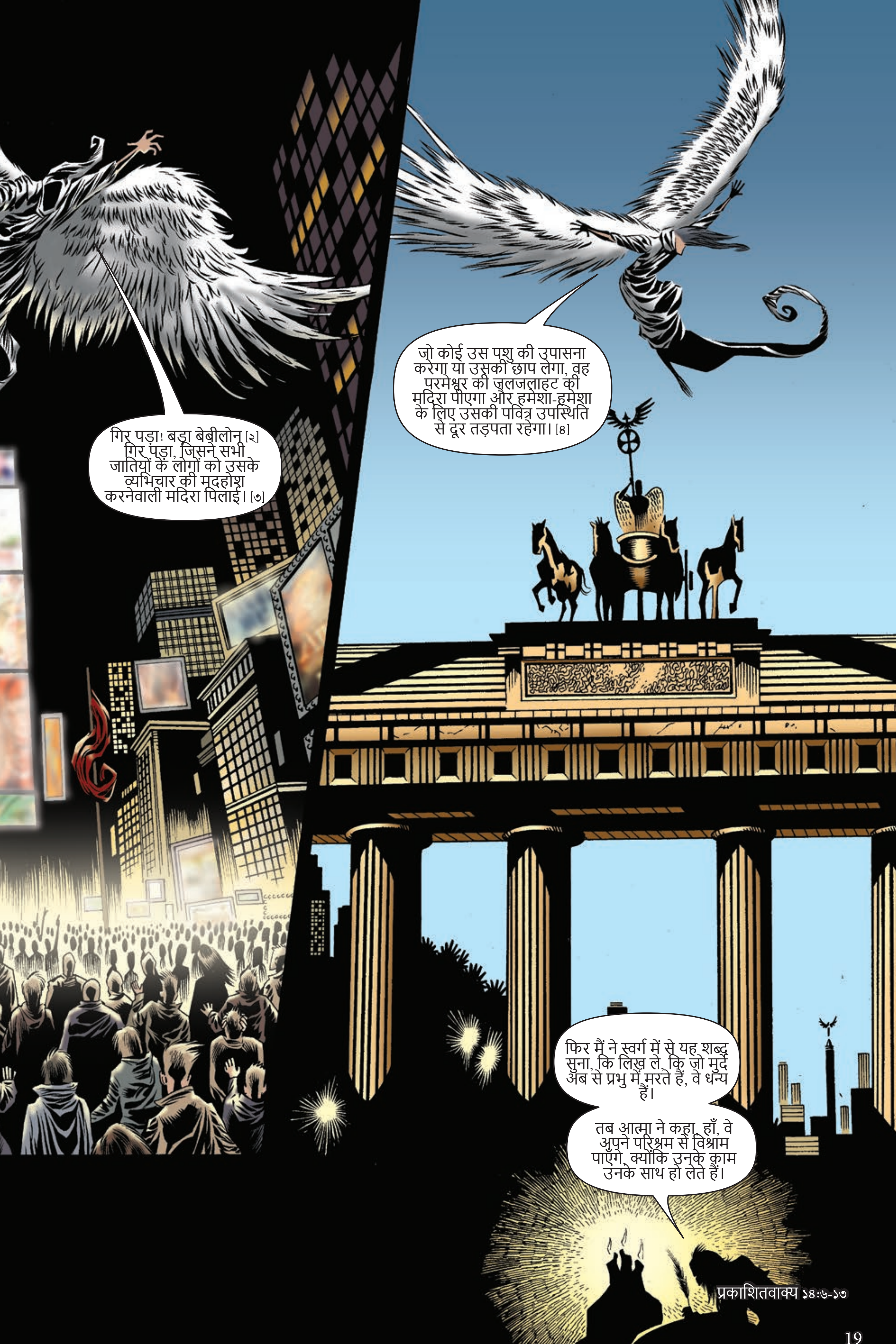
गिर पड़ा! बड़ा बेबीलोन [२] गिर पड़ा, जिसने सभी जातियों के लोगों को उसके व्यभिचार की मदहोश करनेवाली मदिरा पिलाई। [७]
जो कोई उस पशु की उपासना करेगा या उसकी छाप लेगा, वह परमेश्वर की जलजलाहट की मदिरा पीएगा और हमेशा-हमेशा के लिए उसकी पवित्र उपस्थिति से दूर तड़पता रहेगा। [४]
फिर मैं ने स्वर्ग में से यह शब्द सुना, कि लिख ले, कि जो मुर्दे अब से प्रभु में मरते हैं, वे धन्य हैं।
तब आत्मा ने कहा, हाँ, वे अपने परिश्रम से विश्राम पाएँगे, क्योंकि उनके काम उनके साथ हो लेते हैं।
प्रकाशितवाक्य १४:६-१३

अपना हँसुआ ले और फसल काट, क्योंकि काटने का समय आ पहुँचा है, और भूमि की फसल पूरी तरह से पक चुकी है!
[१] हर-मगिदोन की लड़ाई इतनी खूनी होगी कि खून के छींटे चार फीट (घोड़े की लगाम तक) ऊँचे उछल जाएँगे और खून के कारण कुछ गहरे कुंड भर जाएँगे।

अपने धारदार हँसुए से पृथ्वी की दाखलता के गुच्छे बटोर ले, क्योंकि उसके अंगूर पूरी तरह से पके हुए हैं।
स्वर्गदूत ने अपना हँसुआ पृथ्वी पर चलाया, और पृथ्वी की दाख की बारी से दाख बटोरकर परमेश्वर के क्रोध के बड़े रस-कुंड में डाल दिया।
तब नगर के बाहर उस रस-कुंड में दाख रौंदे गए, और रस के कुंड में से इतना लहू निकला कि घोड़ों की लगाम तक पहुँचा, लगभग १८० मील तक बह गया।[१]
प्रकाशितवाक्य १४:१४-२०

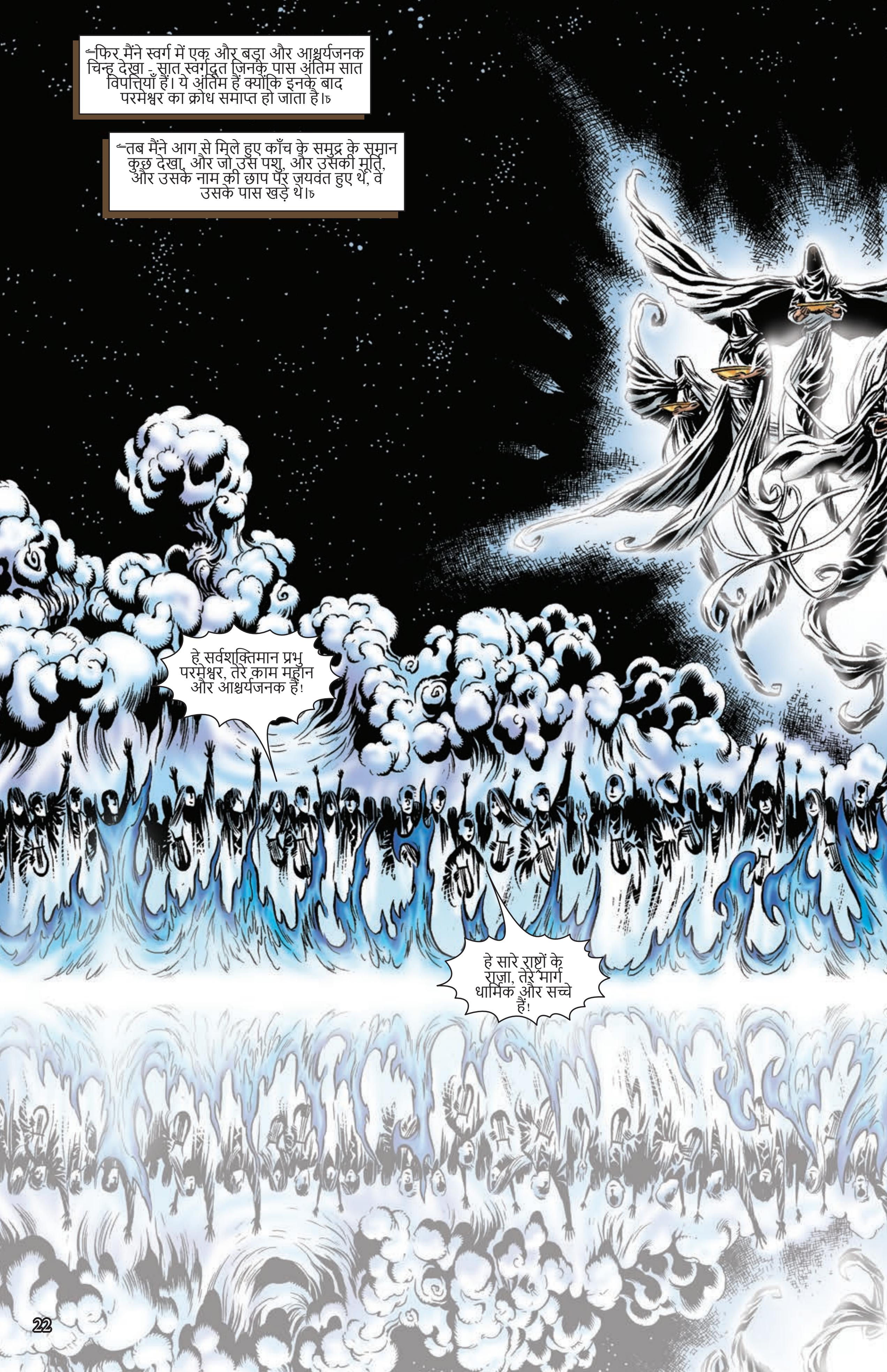
फिर मैंने स्वर्ग में एक और बड़ा और आश्चर्यजनक चिन्ह देखा - सात स्वर्गदूत जिनके पास अंतिम सात विपत्तियाँ हैं। ये अंतिम हैं क्योंकि इनके बाद परमेश्वर का क्रोध समाप्त हो जाता है।
तब मैंने आग से मिले हुए काँच के समुद्र के समान कुछ देखा, और जो उस पशु, और उसकी मूर्ति, और उसके नाम की छाप पर जयवंत हुए थे, वे उसके पास खड़े थे।
हे सर्वशक्तिमान प्रभु परमेश्वर, तेरे काम महान और आश्चर्यजनक हैं!
हे सारे राष्ट्रों के राजा, तेरे मार्ग धार्मिक और सच्चे हैं!

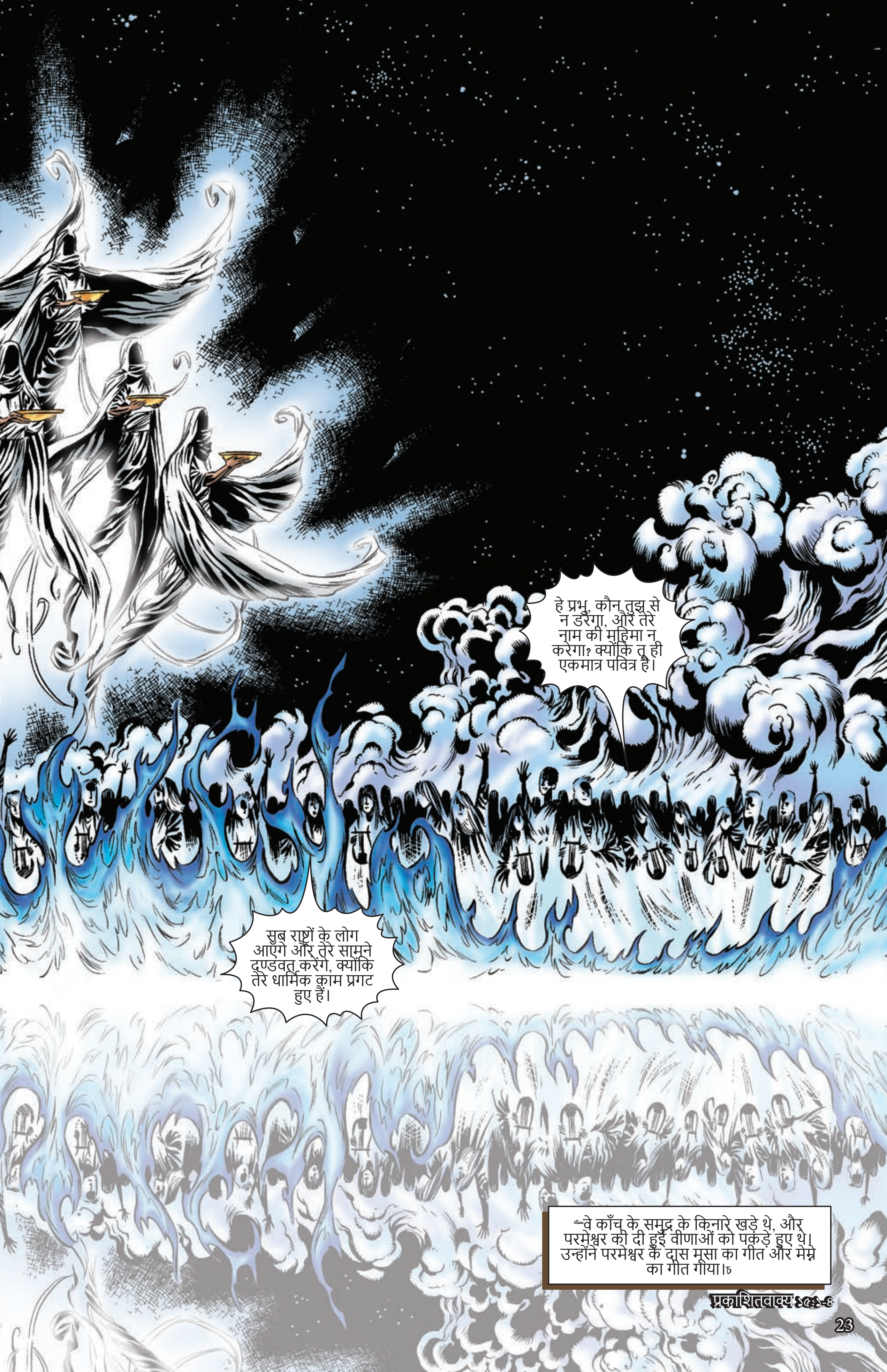
हे प्रभु, कौन तुझ से न डरेगा, और तेरे नाम की महिमा न करेगा? क्योंकि तू ही एकमात्र पवित्र है।
सब राष्ट्रों के लोग आएँगे और तेरे सामने दण्डवत करेंगे, क्योंकि तेरे धार्मिक काम प्रगट हुए हैं।
“वे काँच के समुद्र के किनारे खड़े थे, और परमेश्वर की दी हुई वीणाओं को पकड़े हुए थे। उन्होंने परमेश्वर के दास मूसा का गीत और मेम्ने का गीत गाया।”
प्रकाशितवाक्य १५:१-४

परमेश्वर की वाचा के सन्दक के परमपवित्र स्थान से सात स्वर्गदूत परमेश्वर के न्याय के अंतिम कटोरों के साथ आते हैं।ऽ[१]
[१] परमेश्वर का पवित्र और निर्दोष चरित्र माँग करता है कि वह उस पाप का न्याय करे जिसका पश्चाताप नहीं किया गया हो।
कटोरे उथले तश्तरी हैं क्योंकि ईश्वरीय न्याय तुरंत और तेजी से ख़त्म हो जाएगा।

और मन्दिर परमेश्वर की महिमा और उसकी सामर्थ के धुएँ से भर गया, और जब तक उन सात स्वर्गदूतों की सात विपत्तियाँ समाप्त न हो गईं, तब तक कोई मन्दिर में प्रवेश न कर सका।
प्रकाशितवाक्य १५:५-८

तब पहले स्वर्गदूत ने जाकर अपना कटोरा भूमि पर उंडेल दिया, और उन लोगों पर जो उस पशु की छाप लगाए हुए थे, और उसकी मूर्ति को दण्डवत करते थे, हानिकारक और पीड़ादायक फोड़े हो गए।ᄃ[१]

[१] मसीह-विरोधी के अनुयायी असाध्य, दर्दनाक और रिसने वाले फोड़ों से पीड़ित हो गए, यह वही यूनानी शब्द है जिसका उपयोग मिस्रियों पर हुए फोड़े और अय्यूब के द्वारा सहे गए घावों का वर्णन करने के लिए किया जाता है।
प्रकाशितवाक्य १६:१-२

दूसरे स्वर्गदूत ने अपना कटोरा समुद्र पर उंडेल दिया, और वह मरे हुए के समान लहू हो गया, और समुद्र के सब प्राणी मर गए।ꞔ[१]
तब तीसरे स्वर्गदूत ने अपना कटोरा नदियों और जल के सोतों पर उंडेल दिया, और वे लहू बन गए।ꞔ[२]
[१] अरबों समुद्री जीवों की मृत्यु के साथ ही पानी खूनी, गाढ़ा और जमा हुआ हो गया है।
[२] पृथ्वी पर पहले से ही सूखे के कारण प्यास से पीड़ित होने के अलावा, मसीह-विरोधी के उपासकों के पास अपने घावों को धोने के लिए पानी नहीं होगा।
[३] इस अविश्वसनीय रूप से दुष्ट पीढ़ी ने उसके पवित्र लोगों और भविष्यद्वक्ताओं को पीड़ा दी थी, उस यातना के प्रकाश में स्वर्गदूत परमेश्वर के कठोर निर्णय की प्रशंसा करता है।

“और मैंने पानी पर अधिकार रखनेवाले स्वर्गदूत को यह कहते सुना, “हे पवित्र, जो है और जो था, क्योंकि तू जो ये न्यायदण्ड लाया।”
“क्योंकि उन्होंने तेरे पवित्र लोगों और भविष्यद्वक्ताओं का खून बहाया था - और तूने उन्हें भी खून पीने के लिए दिया है जिसके वे योग्य हैं।” [७]
“तब परमेश्वर की वेदी में से यह शब्द हुआ, “हाँ, सर्वशक्तिमान प्रभु परमेश्वर, तेरे निर्णय सच्चे और उचित हैं।”
प्रकाशितवाक्य ১৬:৩-৭

“चौथे स्वर्गदूत ने अपना कटोरा सूर्य के ऊपर उंडेल दिया, और सूर्य को अपनी प्रचण्ड ज्वाला से मनुष्यों को झुलसाने की शक्ति दी गई।”
“तब मनुष्य आग में भयंकर रीति से जल गए, और परमेश्वर के नाम की निन्दा की, जिसे इन क्लेशों पर अधिकार था; परन्तु उन्होंने न तो मन फिराया और न उसकी महिमा की।” [1]
मैं परमेश्वर के नाम को धिक्कारता हूँ, यदि वास्तव में वह प्रकृति के इन अजीबोगरीब कामों को नियंत्रित करता है।
लेकिन तुम तो कहते थे कि कोई परमेश्वर नहीं है - कि हम सब प्रकृति के हादसे थे और प्रकृति ही सब कुछ है।
यह बहुत अलग है - यह अलौकिक है!
[1] आश्चर्यजनक रूप से, भयंकर त्रासदी पर त्रासदी के बीच, सार्वजानिक आबादी अपनी दुष्टता और पापों से पश्चाताप करने से इन्कार कर देती है।

१०पाँचवें स्वर्गदूत ने अपना कटोरा उस पशु के सिंहासन पर उंडेल दिया, और उसका राज्य अन्धकार में डूब गया। लोग अपने दर्द के कारण अपनी जीभ चबाने लगे।११[१]
मुझे आराम दो!
यह दर्द असहनीय है।
मुझे ऐसा लग रहा है कि मैं नरक में हूँ...
[१] पाँचवें कटोरे के ख़ाली होने के साथ, परमेश्वर का न्याय एक घोर अन्धकार के रूप में मसीह-विरोधी द्वारा शासित पूरे क्षेत्र पर पड़ेगा।
चाहे वह पिछले कटोरे के न्याय से प्रौद्योगिकी या किसी अन्य यंत्र-रचना को खारिज करने से सूर्य की धधकती हुई आग का परिणाम हो - यह मनुष्यों और मसीह-विरोधी के आध्यात्मिक अन्धेरे पर परमेश्वर का प्रत्यक्ष न्याय है।

छठे स्वर्गदूत ने अपना कटोरा फरात महानद पर उंडेल दिया, और उसका जल सूख गया कि पूर्व के राजाओं के लिये मार्ग तैयार हो।८[१]
[१] सूखे और न्याय के कारण पहले से ही इसके प्रवाह में कमी के साथ, महान नदी फरात पूरी तरह से शुष्क हो जाती है - आने वाले पूर्वी संगठन के राजाओं और सेना को पहुँच प्रदान करने के लिए।
[२] पृथ्वी पर छोड़ी गई सारी सेनाएँ यरूशलेम के उत्तर में लगभग ६० मील की दूरी पर स्थित मगिद्दो के मैदानों में एकत्रित होंगी।

“तब मैं ने उस अजगर के मुँह से, और उस पशु के मुँह से, और उस झूठे भविष्यद्वक्ता के मुंह से मेंढक के समान तीन दुष्टात्माओं को आते हुए देखा। क्योंकि वे चिन्ह दिखानेवाली दुष्टात्माएँ हैं। वे सर्वशक्तिमान परमेश्वर के उस महान दिन की लड़ाई के लिये उन्हें इकट्ठा करने के लिये सारे जगत के राजाओं के पास जाती हैं।”
देखो, मैं चोर के समान आता हूँ! क्या ही धन्य है वह, जो जागता रहता है, और अपने वस्त्र की चौकसी करता है, ताकि नंगा न फिरे और न ही उघाड़ापन दिखे।
“तब उन्होंने राजाओं को उस स्थान पर इकट्ठा किया जो इब्रानी में हर-मगिदोन कहलाता है।”[2]
प्रकाशितवाक्य १६:१२-१६

सातवें स्वर्गदूत ने अपना कटोरा हवा पर उंडेल दिया...
बूम! बूम! बूम!
कि हो गया!
हर टापू अपने स्थान से टल गया और कोई पहाड़ नहीं रहा ... लगभग सौ पाउंड के ओले स्वर्ग से गिरे। [७]
लोगों ने ओलावृष्टि के लिए परमेश्वर को धिक्कारा क्योंकि वह विपत्ति बहुत ज्यादा गंभीर थी। [८]
[१] यरूशलेम शहर को तीन भागों में विभाजित किया गया है। यह एक न्याय नहीं है, बल्कि पानी प्रदान करने के लिए और मसीह के सहस्राब्दी राज्य में इसके केंद्रीय स्थान की तैयारी के लिए भू-दृश्य का परिवर्तन है। (जकर्याह १४)
[२] परमेश्वर संसार के बड़े नगरों पर अपने धर्मी न्याय की वर्षा करता है।
[७] असमानांतर वायुमंडल-सम्बंधित परिस्थितियों के कारण बर्फ के बड़े टुकड़े गिरते हैं।
[८] लेकिन लोगों की एकमात्र प्रतिक्रिया परमेश्वर को धिक्कारना थी।

“एक भयंकर भूकम्प आया, जैसा कि दुनिया ने पहले
कभी नहीं देखा था। वह बड़ा नगर तीन भागों में विभाजित
हो गया [१] और राष्ट्रों के शहर ढह गए।” [२]

666
666
प्रकाशितवाक्य १६:१७-२१

SUPERBIBLE.TV